શ્રી ગ્રેટર બોમ્બે વર્ધમાન સ્થાનકવાસી જૈન મહાસંઘ

સંચાલિત

માતુશ્રી મણિબેન મણશી ભીમશી છાડવા ધાર્મિક શિક્ષણ બોર્ડ

Website : www.jainshikshan.org **E mail :** jainshikshanboard@gmail.com

८ जान्युआरी २०२३ - महिला मंडल **श्रेणी - १** **कुल गुण : १००**

सूचना : १) जे प्रमाणे सवाल पूछ्या होय ते प्रमाणे ज जवाब लखवा. वार्ता के थोकडाना लांबा जवाब लखवा नहि।

२) आपना जवाब पेपरमां आपे ओपन बुक आपी छे के रेग्युलर ए खास लखजो। जेमणे नहीं लख्युं होय तेमनो नंबर आवशे तो पण नंबर नहीं आपवामां आवे।

---

(४०)

प्र. १ (अ) नीचेना पाठनी पूर्ति करो। **(१२)**

१. नमंसामि .... पज्जुवासामि

२. पंचिंदिया .... किलामिया

३. पायच्छित्त करणेणं .... नीससिएणं

४. सिद्धाणं .... सव्वेसिं

(आ) नीचेना शब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो। **(६)**

१. ओसा २. विसल्ली करणेणं ३. अरिहंताणं ४. मोणेणं ५. छीएणं ६. देवयं

(इ) नीचेना शब्दोना मूळ पाठ लखो। **(७)**

१. सर्व मंगलोमां २. सत्कार करुं छुं ३. बीज कचर्या होय ४. सचेत माटी

५. त्यां सुधी ६. अधोवायु नीकळवाथी ७. मूळथी नाश करवा माटे

(ई) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(१०)**

१. नमस्कार सूत्रना स्मरणथी थता कोईपण बे लाभ लखो।

२. आपणी शक्तिनो विकास कई रीते थाय छे? वंदना करवाथी कई वस्तुओनी प्राप्ति थाय छे?

३. चौरेन्द्रिय कोने कहेवाय? उदाहरण साथे लखो। मारुं जीवन केवुं होवुं जोईए?

४. सामायिकना त्रीजा पाठने आलोचना सूत्र शा माटे कहे छे?

५. कायोत्सर्गमां आगारोनुं सेवन करवा छता कायोत्सर्गनो शा माटे भंग थतो नथी?

(उ) नीचेना प्रश्नोना जवाब एक शब्दमां लखो। **(५)**

१. नमस्कार महामंत्र केवो मंत्र छे?

२. अरिहंत भगवान शुं जीते छे?

३. जघन्य वंदना कया शब्दथी करशो?

४. वटाणाने ठांसी ठांसीने भरवाथी कई विराधना?

५. मिथ्यात्व शल्य एटले शुं?

६. काउस्सग्ग द्वारा शुं थाय छे?

७. गुरुने आसन आपवुं ए शुं छे?

८. नमो शब्द शेनो सूचक छे?

९. जीवने दुःखी करवा ए शुं छे?

१०. नियमित रीते कायोत्सर्ग करवाथी शुं थाय छे?

(२०)

प्र. २ (अ) सामान्य समजणना आधारे माग्या प्रमाणे जवाब लखो। **(१२)**

१. तीर्थंकर - ९ अने १८ २. गणधर - ४ अने ८ ३. सती - ६ अने १२ ४. कर्म - २ अने ७

५. काय (गोत्र) - ४ थुं ६. द्रव्य - ५ मुं ७. जीवदयाना प्रतीक समा उपकरणो कया कया?

(आ) नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(८)**

१. चोवीस भगवाननुं नाम स्मरण करवाथी केटला कर्मोनो क्षय थाय छे? शेनी शुद्धि थाय छे?

२. परमात्माना उपदेशनी सूत्ररुपे गूंथणी कोण करे छे? तेमने केटला अंगसूत्रोनुं ज्ञान होय छे?

३. भौतिक सुख अने दु:खनो अनुभव कयुं कर्म करावे छे? जीव कोने विसरी जाय छे?

४. संपूर्ण राजलोकमां कोनुं अस्तित्व छे? ते केटला छे?

५. कया उपकरण द्वारा आपणने स्वाध्याय-तपनो लाभ मळे छे? ते शेनी बनेली छे?

६. पुस्तकने राखवाना साधनने शुं कहेवाय? श्वेत रंग शेनुं प्रतीक छे?

७. जे जीव अने पुद्गलने जग्या आपे ते कयुं द्रव्य? कोना नाम स्मरण करवाथी सदाचारनी प्रेरणा करे छे?

८. सत्यमार्गनी समजण आपणने कोण आपे छे? आपणा प्रश्नोनुं समाधान शेमां मळे छे?

(१५)

प्र. ३ (अ) संस्कार विभागने आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो। **(१०)**

१. जय-जिनेन्द्र बोलवाथी शुं लाभ थाय छे? बे मुद्दा लखो।

२. श्रेष्ट विनय कोने कहेवाय? विनयनुं महत्त्व शा माटे विशेष छे?

३. काचुं पाणी शा माटे न पीवुं जोईए? फल केवी रीते खावा जोईए?

४. आपणा पर सिद्ध भगवंतोनो महाउपकार कई रीते छे?

५. धर्म अने गुरुना उपकारथी मुक्त बनवा शुं करशो?

(आ) नीचेना वाक्यो साचा छे के खोटा? खोटा होय ते सुधारीने लखो। **(५)**

१. प्रेमचंद जयचंदना मातुश्रीनुं नाम राजबाई हतुं।

२. धर्म ए उत्कृष्ट श्रेष्ठ मंगल छे।

३. उपकारीना उपकार मानवाथी आत्मानी अधोगति थाय छे।

४. फणगावेला कठोळमां असंख्याता जीवो उत्पन्न थाय छे।

५. जय-जिनेन्द्र कहेवाथी आ भवमां जैनधर्मनी प्राप्ति थाय तेवुं भद्र कर्म बंधाय छे।

(५)

प्र. ४ धर्म अने विज्ञानना आधारे माग्या प्रमाणे जवाब लखो।

१. परमात्मा क्यां देशना आपे? प्रभुना ज्ञानना सागर सामे विज्ञान शुं छे?

२. शब्द ए शुं छे? ते क्यां सुधी फेलाई छे?

३. धर्मनुं Heart शुं छे? धर्म कोनो विचार करे छे?

४. जैनधर्मना पायाना सिद्धांतो शुं छे?

५. वनस्पतिमां जीव छे एवुं कया वैज्ञानिके शोधी काढ्युं? सूर्यास्त पछी भोजन करवाथी शुं थाय?

(१०)

प्र. ३ वार्ताना आधारे नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो।

१. नयसारना जीवनमांथी शुं बोध प्राप्त थाय छे? नियम लेवाथी शुं थाय?

२. मेघरथ राजाए कोनी पासे दीक्षा लीधी? संयमनुं पालन केटला वर्ष कर्युं? कयुं कर्म बांध्युं? क्यां उत्पन्न थया?

३. पार्श्वकुमारे कोने नमस्कार सूत्र संभळाव्यो? तेओ मृत्यु पामी क्यां उत्पन्न थया?

४. आद्रकुमार क्यां उत्पन्न थया हता? तेमना मित्रनुं नाम शुं? मित्रना पितानुं नाम शुं? तेमना मित्रनो कयो गुण आजे पण प्रसिद्ध छे?

५. कमठ कोण हतो? ते केवो हतो? शुं करतो हतो?

(१०)

प्र. ५ नीचेना काव्यनी पूर्ति करो.

१. पच्चीस ..... ज्ञानदेव छो।

२. अहिंसा ..... सारो छे।

३. क्षमागुणथी ..... धूळ छे।

४. मोह कदि ..... बंधाय ना।

जय जिनेन्द्र